



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.10.26	2	1

जल संरक्षण और नवाचार से मजबूत होगी मत्स्य आधारित ब्लू इकोनॉमी: प्रो. बलदेव



हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में एक्वाफेस्ट-2026 के तहत 'विकसित भारत-2047 के लिए नवाचार, संरक्षण और ब्लू समृद्धि' विषय पर कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति बलदेव राज काम्बोज और विशिष्ट अतिथि एन.एस. राठौर ने मत्स्य क्षेत्र में तकनीक व जल संरक्षण की जरूरत पर जोर दिया। काम्बोज ने कहा कि आधुनिक तकनीकों से उत्पादन बढ़ाकर लागत घटाई जा सकती है। इससे किसानों व मत्स्य पालकों की आय बढ़ेगी। युवाओं को उद्यम के अवसर मिलेंगे। उन्होंने महाविद्यालय में लगभग 12 लाख रुपये की लागत से नवीनीकृत फिशरीज एक्सटेंशन, इकोनॉमिक्स एवं मैनेजमेंट भवन का उद्घाटन किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	28.10.26	3	2.5

जल संरक्षण और नवाचार से मजबूत होगी मत्स्य आधारित ब्लू इकोनामी : प्रो. बलदेव 12 लाख की लागत से रेनोवेटेड फिशरीज एक्सटेंशन बिल्डिंग का किया उद्घाटन

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में 'एक्वाफेस्ट-2026' के तहत 'विकसित भारत-2047' के लिए नवाचार, संरक्षण और ब्लू समृद्धि' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि और आईसीएआर के पूर्व उपमहानिदेशक (शिक्षा) एवं एमपीयूएटी, उदयपुर के पूर्व कुलपति डा. एनएस राठौर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में मत्स्य पालन की अहम भूमिका होगी। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर मत्स्य उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और लागत कम की जा सकती है। इससे किसानों और मत्स्य पालकों की आय बढ़ेगी तथा युवाओं को रोजगार और अपना व्यवसाय शुरू करने के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने उपरोक्त महाविद्यालय में लगभग 12 लाख रुपये की लागत से रेनोवेटेड फिशरीज एक्सटेंशन, इक्वोनोमिक्स एंड स्टेटिक्स बिल्डिंग का उद्घाटन किया। उन्होंने



रेनोवेटेड बिल्डिंग का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज • जागरण

मछली उत्पादन क्षेत्र में कई चुनौतियां : डा. एनएस राठौर

डा. एनएस राठौर ने कहा कि देश में मछली उत्पादन बढ़ रहा है, लेकिन इस क्षेत्र में अभी कई चुनौतियां हैं। इनमें जलवायु परिवर्तन, पानी की कमी, पानी की खराब गुणवत्ता, अच्छे मत्स्य बीज और आहार की बढ़ती लागत, मछलियों में बीमारियां तथा मछलियों के भंडारण, प्रसंस्करण और बिक्री की समस्याएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन

समस्याओं को दूर करने के लिए नई तकनीकों और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना जरूरी है। मत्स्य पालकों को तकनीकी और आर्थिक सहायता देने के साथ उनकी उपज की बिक्री के लिए बेहतर व्यवस्था भी होनी चाहिए। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डा. एसके गहलावत ने मत्स्य पालन

को बढ़ावा देने के लिए किए जाने वाले विभिन्न कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के नियंत्रक अधिकारी डा. आरके गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अंत में विभागाध्यक्ष डा. दलीप कुमार बिश्नोई ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डा. कविता शर्मा ने मंच संचालन किया।

फिशरीज फिल्ड के विभिन्न विषयों पर प्रकाशित सात पुस्तकों का भी विमोचन किया।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि मत्स्य

पालन को बढ़ावा देने के लिए पानी का सही उपयोग और जल स्रोतों का संरक्षण जरूरी है। पानी की गुणवत्ता बनाए रखना और जलीय

जीवों की रक्षा करना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने शोधार्थियों और युवाओं से मत्स्य पालन के क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	28-10-26	2	35

रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा मत्स्य पालन जल संरक्षण और नवाचार से मजबूत होगी मत्स्य आधारित ब्लू इकोनॉमी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में मत्स्य पालन अहम भूमिका निभाएगा। आधुनिक तकनीकों से मछली उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

वह मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित एक्वाफेस्ट-2026 में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। विकसित भारत-2047 के लिए नवाचार, संरक्षण और ब्लू समृद्धि विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति ने करीब 12 लाख रुपये की लागत से नवीनीकृत फिशरीज एक्सटेंशन, इकोनॉमिक्स एंड स्टेटिस्टिक्स भवन का उद्घाटन किया।

उन्होंने मत्स्य पालन से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रकाशित सात पुस्तकों का



इकोनॉमिक्स एंड स्टेटिस्टिक्स भवन का उद्घाटन करते प्रो. बीआर काम्बोज। स्रोत: संस्थान

विमोचन भी किया। उन्होंने जल स्रोतों के संरक्षण, पानी के उचित उपयोग, जल गुणवत्ता बनाए रखने और जलीय जीवों की रक्षा पर जोर दिया।

विशिष्ट अतिथि आईसीएआर के पूर्व उपमहानिदेशक (शिक्षा) एवं उदयपुर के पूर्व कुलपति डॉ. एनएस राठौर ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, पानी की कमी, खराब गुणवत्ता, मत्स्य बीज व आहार की बढ़ती लागत, मछलियों में

बीमारियां तथा भंडारण, प्रसंस्करण और बिक्री की समस्याएं इस क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियां हैं।

कार्यक्रम में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के जैव प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ. एसके गहलावत, महाविद्यालय के नियंत्रक अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता, विभागाध्यक्ष डॉ. दलीप कुमार बिश्नोई और डॉ. कविता शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार, पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब रेसरी	28.10.26	4	1-2

आधुनिक तकनीकों को अपनाकर मत्स्य उत्पादन बढ़ाया जा सकता है: प्रो. काम्बोज



रेनोवेटेड बिल्डिंग का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. काम्बोज।

हिसार, 27 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में 'एक्काफेस्ट-2026' के तहत 'विकसित, भारत-2047 के लिए नवाचार, संरक्षण और ब्लू समृद्धि' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि और आई.सी.ए.आर. के पूर्व उपमहानिदेशक (शिक्षा) एवं एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर के पूर्व कुलपति डॉ. एन.एस. राठौर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कुलपति प्रो. बलदेव राज

काम्बोज ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में मत्स्य पालन की अहम भूमिका होगी। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर मत्स्य उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और लागत कम की जा सकती है। इससे किसानों और मत्स्य पालकों की आय बढ़ेगी तथा युवाओं को रोजगार और अपना व्यवसाय शुरू करने के नए अवसर मिलेंगे।

उन्होंने उपरोक्त महाविद्यालय में लगभग 12 लाख रुपये की लागत से रेनोवेटेड फिशरीज एक्सटेंशन, इकोनोमिक्स एंड स्टेटिक्स बिल्डिंग का उद्घाटन किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि न्यूज	28.10.26	11	1-3

जल संरक्षण और नवाचार से मजबूत होगी मत्स्य आधारित ब्लू इकोनॉमी : प्रो. काम्बोज

■ नवीनीकृत फिशरीज एक्सटेंशन,
इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स
भवन का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में 'एक्वाफेस्ट-2026' के तहत 'विकसित भारत-2047 के लिए नवाचार, संरक्षण और ब्लू समृद्धि' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व उप महानिदेशक एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,



हिसार। इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स भवन का उद्घाटन करते कुलपति।

उदयपुर के पूर्व कुलपति डॉ. एनएस राठौर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति ने मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में लगभग 12 लाख रुपये की लागत से नवीनीकृत फिशरीज एक्सटेंशन, इकोनॉमिक्स

एंड स्टैटिस्टिक्स भवन का उद्घाटन किया। काम्बोज ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में मत्स्य पालन की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। आधुनिक तकनीकों से मछली उत्पादन बढ़ाने में उपयोगी होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्जित समाचार	28.10.26	4	1-3

जल संरक्षण व नवाचार से मजबूत होगी मत्स्य आधारित ब्लू इकोनॉमी : प्रो. काम्बोज

12 लाख की लागत से रेनोवेटेड फिशरीज एक्सटेंशन, इकोनोमिक्स एंड स्टेटिक्स बिल्डिंग का किया उद्घाटन

हिसार, 27 अक्टूबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह फिशरीज फिल्ड के विभिन्न विषयों पर प्रकाशित सात पुस्तकों का भी विमोचन किया। प्रो. काम्बोज ने कहा कि मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए पानी का सही उपयोग और जल स्रोतों का संरक्षण जरूरी है।



रेनोवेटेड बिल्डिंग का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. काम्बोज।

विश्वविद्यालय, सिरसा के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके गहलावत ने मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए किए जाने वाले विभिन्न कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के नियंत्रक अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि 'एक्काफेस्ट-2026' का उद्देश्य मत्स्य पालन के बारे में जागरूकता बढ़ाना, नई तकनीकों की जानकारी देना और जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। कार्यक्रम में मछली उत्पादन की नई तकनीकों, अनुसंधान, जल संरक्षण और मत्स्य पालन को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. दलीप कुमार बिश्नोई ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और डॉ. कविता शर्मा ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शोधार्थी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

हिसार, 27 अक्टूबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह फिशरीज फिल्ड के विभिन्न विषयों पर प्रकाशित सात पुस्तकों का भी विमोचन किया। प्रो. काम्बोज ने कहा कि मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए पानी का सही उपयोग और जल स्रोतों का संरक्षण जरूरी है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	27.10.26	-----	----

जल संरक्षण और नवाचार से मजबूत होगी मत्स्य आधारित ब्लू इकोनॉमी : प्रो. काम्बोज

12 लाख की लागत से रेनोवेटेड फिशरीज एक्सटेंशन, इक्कोनोमिक्स एंड स्टेटिक्स बिल्डिंग का किया उद्घाटन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में 'एक्वाफेस्ट-2026' के तहत 'विकसित भारत-2047 के लिए नवाचार, संरक्षण और ब्लू समृद्धि' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि और आईसीएआर के पूर्व उपमहानिदेशक (शिक्षा) एवं एमपीयूएटी, उदयपुर के पूर्व कुलपति डॉ. एनएस राठौर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में मत्स्य पालन की अहम भूमिका होगी। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर मत्स्य उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और लागत कम की जा सकती है। इससे किसानों और मत्स्य पालकों की आय बढ़ेगी तथा युवाओं को रोजगार और अपना व्यवसाय शुरू



रेनोवेटेड बिल्डिंग का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. काम्बोज

करने के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने उपरोक्त महाविद्यालय में लगभग 12 लाख रुपये की लागत से रेनोवेटेड फिशरीज एक्सटेंशन, इक्कोनोमिक्स एंड स्टेटिक्स बिल्डिंग का उद्घाटन किया। उन्होंने फिशरीज फ़िल्ड के विभिन्न विषयों पर प्रकाशित सात पुस्तकों का भी विमोचन किया।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए पानी का सही उपयोग और जल स्रोतों का संरक्षण जरूरी है। पानी की गुणवत्ता

बनाए रखना और जलीय जीवों की रक्षा करना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मछली के बीज तैयार करने, मछली पालन, प्रसंस्करण और बिक्री जैसे कार्यों में रोजगार और व्यवसाय की अपार संभावनाएं हैं। विश्वविद्यालय नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ.

मत्स्य पालन की समस्याओं का समाधान जरूरी

डॉ. एनएस राठौर ने कहा कि देश में मछली उत्पादन बढ़ रहा है, लेकिन इस क्षेत्र में अभी कई चुनौतियां हैं। इनमें जलवायु परिवर्तन, पानी की कमी, पानी की स्वस्थ गुणवत्ता, अच्छे मत्स्य बीज और आहार की बढ़ती लागत, मछलियों में बीमारियां तथा मछलियों के मडारण, प्रसंस्करण और बिक्री की समस्याएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं को दूर करने के लिए नई तकनीकों और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना जरूरी है। मत्स्य पालकों को तकनीकी और आर्थिक सहायता देने के साथ उनकी उपज की बिक्री के लिए बेहतर व्यवस्था भी होनी चाहिए। इससे उनकी आय बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग की मत्स्य पालन में भूमिका की उपयोगिता बताई व डिजिटाइजेशन पर बढ़ावा देने पर जोर दिया।

एसके गहलावत ने मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए किए जाने वाले विभिन्न कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के निबंधक अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि 'एक्वाफेस्ट-2026' का उद्देश्य मत्स्य पालन के बारे में जागरूकता बढ़ाना, नई तकनीकों की जानकारी देना और जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह कार्यक्रम मत्स्य

पालकों के लिए उपयोगी साबित होगा। कार्यक्रम में मछली उत्पादन की नई तकनीकों, अनुसंधान, जल संरक्षण और मत्स्य पालन को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई।

अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. दलीप कुमार बिश्नोई ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और डॉ. कविता शर्मा ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शोधार्थी और कर्मचारी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देहिा सवेरा	28.10.26	-----	----

कार्यक्रम

आधुनिक तकनीकों को अपनाकर मत्स्य उत्पादन बढ़ाया जा सकता है

हकृवि में इक्कोनोमिक्स एंड स्टेटिक्स बिल्डिंग का किया उद्घाटन

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 27 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में 'एक्वाफेस्ट-2026' के तहत 'विकसित भारत-2047 के लिए नवाचार, संरक्षण और ब्लू समृद्धि' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि और आईसीएआर के पूर्व उपमहानिदेशक (शिक्षा) एवं एमपीयूएटी, उदयपुर के पूर्व कुलपति डॉ. एनएस राठौर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कुलपति प्रो.



रेनोवेटेड बिल्डिंग का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. काम्बोज।

बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में मत्स्य पालन की अहम भूमिका होगी। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर

मत्स्य उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और लागत कम की जा सकती है। इससे किसानों और मत्स्य पालकों की आय बढ़ेगी तथा युवाओं को रोजगार और अपना व्यवसाय शुरू करने के

नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने उपरोक्त महाविद्यालय में लगभग 12 लाख रूपए की लागत से रेनोवेटेड फिशरीज एक्सटेंशन, इक्कोनोमिक्स एंड स्टेटिक्स बिल्डिंग का उद्घाटन किया। उन्होंने फिशरीज फ़िल्ड के विभिन्न विषयों पर प्रकाशित सात पुस्तकों का भी विमोचन किया। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. दलीप कुमार बिश्नोई ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और डॉ. कविता शर्मा ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शोधार्थी और कर्मचारी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	28.10.26	-----	----

जल संरक्षण और नवाचार से मजबूत होगी मत्स्य आधारित ब्लू इकोनॉमी : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

12 लाख रुपये की लागत से नवीनीकृत भवन का किया उद्घाटन

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 28 अक्टूबर :

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में 'एक्वाफेस्ट-2026' के तहत 'विकसित भारत-2047 के लिए नवाचार, संरक्षण और ब्लू समृद्धि' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि और डॉ. एनएस राठौर विशिष्ट अतिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में मत्स्य पालन की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। आधुनिक तकनीकों से मछली उत्पादन बढ़ाने, लागत घटाने और किसानों की आय में वृद्धि के साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं। उन्होंने लगभग 12 लाख रुपये की लागत से नवीनीकृत फिशरीज एक्सपेंशन, इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स भवन का उद्घाटन किया और मत्स्य



विज्ञान से संबंधित सात पुस्तकों का विमोचन किया। उन्होंने जल स्रोतों के संरक्षण, पानी की गुणवत्ता बनाए रखने और नई तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मछली पालन, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण और बिक्री के क्षेत्र में रोजगार व व्यवसाय की व्यापक संभावनाएं हैं। डॉ. एनएस राठौर ने जलवायु परिवर्तन, पानी की कमी, मत्स्य बीज व आहार की बढ़ती लागत और मछलियों की बीमारियों जैसी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए वैज्ञानिक अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डिजिटलीकरण को

बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के जैव प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ. एसके गहलावत ने मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के प्रयासों की जानकारी दी। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के नियंत्रक अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। विभागाध्यक्ष डॉ. दलीप कुमार बिश्नोई ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और डॉ. कविता शर्मा ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, वैज्ञानिक, शोधार्थी और कर्मचारी उपस्थित रहे।